PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Navbharat Times, Delhi
Mon, 31 Jul 2017, Page 16
Width: 35.31 cms, Height: 18.46 cms, a3r, Ref: 20.2017-07-31.111

भारत छोड़ो से प्रेरित होकर देश से भगा दें ये 6 बुराइयां

■ एजेंसियां, नई दिल्ली

पीएम ने 'मन की बात' में की अपील- सांप्रदायिकता, जातिवाद, भ्रष्टाचार, आतंकवाद, गरीबी और गंदगी का सफाया करे जनता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के 70वें स्वतंत्रता दिवस से ठीक पहले 'भारत छोड़ो आंदोलन' का जिक्र करते हुए देश की जनता का आह्वान किया कि वे इस आंदोलन जैसी भावना से प्रेरित होकर ही देश से साल-2022 तक सांप्रदायिकता, जातिवाद, भ्रष्टाचार, आतंकवाद, गरीबी और गंदगी को उखाड़ फेंकें। उन्होंने नागरिकों से 'नए भारत' के योगदान में किसी न किसी रूप में योगदान देने का संकल्प लेने को भी कहा।

पीएम मोदी आकाशवाणी पर प्रसारित होने वाले 'मन की बात' कार्यक्रम में रविवार को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने आजादी की लड़ाई में 'असहयोग आंदोलन' और 'भारत छोड़ो आंदोलन' का जिक्र करते हुए कहा कि अगस्त के महीने में हमें इस संकल्प के साथ जुड़ना है कि गंदगी, गरीबी, भ्रष्टाचार, आतंकवाद, जातिवाद, संप्रदायवाद- भारत छोड़ो और इस सिलसिले में 2017 से 2022 का कालखंड इसके लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि अगस्त महीना क्रांति का महीना होता है। उसका कारण है 1 अगस्त, 1920 को 'असहयोग आंदोलन' शुरू हुआ। जबकि 9 अगस्त, 1942 को 'भारत छोड़ो आंदोलन' शुरू हुआ, जिसे 'अगस्त क्रांति' के रूप में जाना जाता है और 15 अगस्त, 1947 को देश आजाद हुआ। इस साल हम 'भारत छोड़ो' आंदोलन की 75वीं वर्षगांठ मनाने जा रहे हैं, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि भारत छोड़ो का नारा डॉ. यूसुफ मेहर अली ने दिया था। नई पीढ़ी को जानना चाहिए कि 9 अगस्त, 1942 को क्या हुआ था।

पीएम ने कहा कि जैसे 1942 से 1947 के पांच साल आजादी के लिए निर्णायक बन गए, उसी तरह 2017 से 2022 के ये पांच साल भी भारत के भविष्य के लिए भी निर्णायक बन सकते हैं और बनाने हैं।